एम एस टी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)
website : www.mstcindia.co.in ■ www.mstcecommerce.com
ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन
Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

संगति

जनवरी - मार्च 2018

राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

('भारतेंदु एवं हिंदी की प्रासंगिकता', 'आज की हिंदी', 'भविष्य की हिंदी' एवं काव्य संध्या)

राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी (11.01.2018) के कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह, माननीय इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साय, इस्पात संयुक्त सचिव श्री टी श्रीनिवास, एमएसटीसी लि. के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री बी बी सिंह तथा प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार डॉ. शंभुनाथ

स्वागत भाषण देते हुए श्री बी बी सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

इस्पात मंत्रालय की पहल पर 11 जनवरी, 2018 को एमएसटीसी लि. की ओर से कोलकाता में आधुनिक हिंदी के जनक भारतेंदु हरिश्चंद्र की स्मृति में राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस संगोष्ठी में माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह, माननीय इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साय, संयुक्त सचिव श्री टी श्रीनिवास, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री आनंद कुमार, सेल के अध्यक्ष श्री पी के सिंह, एमएसटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बी बी सिंह, कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक तथा 'वागर्थ' के संपादक श्री शंभुनाथ आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। संगोष्ठी के आरंभ में एमएसटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों के साथ इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री टी श्रीनिवास, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार

माननीय इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा के प्रयोग में वृद्धि करने पर जोर दिया। माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने हिंदी भाषा के विकास में हिंदी सिनेमा एवं हिंदी क्रिकेट कमेंट्री के महत्व को उजागर किया। उन्होने हिंदी भाषा को दायरों में बांधने का विरोध किया। श्री टी श्रीनिवास, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय ने राजभाषा के कार्यान्वयन में सरल हिंदी को अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया। श्री पी के सिंह, अध्यक्ष, सेल ने राजभाषा कार्यान्वयन में एमएसटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रशंसा की। उद्घाटन-सत्र के अंत में सभी गणमान्य व्यक्तियों को महाप्रबंधक (प्रभारी राजभाषा) श्री एम पी श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में अगले सत्र 'भारतेंदु एवं हिंदी की प्रासंगिकता', 'आज की हिंदी' 'भविष्य में हिंदी' एवं 'काव्य संध्या' विषयों पर आयोजित किए गए थे।

'भारतेंदु एवं हिंदी की प्रासंगिकता' पर हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्री प्रभात वर्मा, लालबाबा कॉलेज के विभागाध्यक्ष(हिंदी) डॉ. अजित कुमार सिंह एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी), केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक तथा वागर्थ के संपादक डॉ. शंभुनाथ मुख्य वक्ता थे। 'आज की हिंदी' सत्र में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्री विकास दवे, खिदिरपुर कॉलेज की विभागाध्यक्षा(हिंदी) डॉ. इतु सिंह तथा प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) एवं रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष(हिंदी) श्री सुब्रत लाहिड़ी मुख्य वक्ता थे।

'भविष्य की हिंदी' सत्र में विद्यासागर कॉलेज के विभागाध्यक्ष(हिंदी) डॉ. आशुतोष सिंह, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय के विभागाध्याक्षा(हिंदी) डॉ तनुजा मजुमदार, कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी), 'अपनी भाषा' संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अमरनाथ मुख्य वक्ता थे।

संगोष्ठी के अंत में 'काव्य संध्या' का आयोजन किया गया था। इसमें श्री गजेन्द्र सोलंकी, डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, डॉ. रंजना राय, श्री कमलेश कुमार द्विवेदी, श्रीमती उमा झुनझुनवाला, श्री नीलकमल एवं सुश्री कल्पना झा जैसे प्रसिद्ध कविगण उपस्थित थे। राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शाखा प्रबंधक (हैदराबाद) श्रीमती रेणु पुरुषोत्तम के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

स्वागत

माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी बी सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

माननीय इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साय का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री ए के बासु, निदेशक (वित्त)

संयुक्त सचिव, श्री टी श्रीनिवास का पुष्प गुच्छ से स्वागत करती हुई श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक)

श्री पी के सिंह, अध्यक्ष, सेल का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी बी सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लि.

डॉ. शंभुनाथ, कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक तथा वागर्थ के संपादक का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री एम पी श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (प्रभारी राजभाषा) एमएसटीसी लि.

माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह द्वारा श्री कृष्णा मन्ना, श्री प्रणब मुखर्जी, श्री सायन सरकार, श्रीमती प्रियंका देबनाथ, श्री दीपांजन चट्टोपाध्याय, सुश्री सुष्मिता बर्द्धन, श्री अरिजित घोष, श्री दिव्येन्दु पॉल, श्री राकेश कुमार कुंदन, श्री राकेश रंजन, श्री मनीष गुप्ता, श्री मनीष कुमार शाह, श्री विभूति शंकर प्रधान, श्री तन्मय दत्त, सुश्री भारती आर्या, श्री देबाशीष घोषाल, श्री मयूर डिमरी और श्री अनुव्रत मोईत्र को राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतेंदु एवं हिंदी की प्रासंगिकता

सभा को सबोधित करते हुए
श्री प्रभात वर्मा, हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य

सभा को सबोधित करते हुए डॉ. अजित कुमार सिंह,
लालबाबा कॉलेज के विभागाध्यक्ष (हिंदी)

सभा को सबोधित करते हुए
डॉ. शंभुनाथ, वागर्थ के संपादक

आज की हिंदी

सभा को सबोधित करते हुए
श्री विकास दवे, हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य

सभा को सबोधित करती हुई डॉ. इतु सिंह, खिदिरपुर
कॉलेज की विभागाध्यक्षा (हिंदी)

सभा को सबोधित करते हुए डॉ. सुब्रत लाहिड़ी,
रवींद्र भारती विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष (हिंदी)

भविष्य की हिंदी' एवं काव्य संध्या

सभा को सबोधित करते हुए डॉ. आशुतोष सिंह,
विद्यासागर कॉलेज के विभागाध्यक्ष (हिंदी)

सभा को सबोधित करती हुई डॉ. तनुजा मजुमदार,
प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्षा (हिंदी)

सभा को सबोधित करते हुए
डॉ. अमरनाथ, 'अपनी भाषा' संस्था के अध्यक्ष

काव्य संध्या कार्यक्रम में श्री कमलेश कुमार दविवेदी, सुश्री कल्पना झा, श्री नीलकमल, डॉ. रंजना राय, श्रीमती आस्था जैन, श्रीमती उमा झुनझुनवाला, डॉ. बुद्धि नाथ मिश्र एवं श्री गजेन्द्र सोलंकी ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

समूह तस्वीर

माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव श्री टी श्रीनिवास, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री बी बी सिंह, श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक) एवं संगोष्ठी में शामिल अधिकारी, अध्यापक साहित्यकार एंव कविगण

खेल पुरस्कार वितरण

सेल के फुटबॉल खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए
माननीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह

सेल के फुटबॉल खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए
माननीय इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साय

adunique